

पत्राक्षी पेश हुनी । विद्वाना वनाल
उपर । अगल ब्याज, श्री शणकर को
प्रायना राजाके रिमा के हा उने ही
इसलिए यह पत्राक्षी शानि अरु पर

प्रथम अध्याय की व्याख्या

हमारे हाथ वरुणाय हस्त

मं सुना प्रयागो मा कुक्कोमन

मिषा गणा प्रजापद को पात्रात यत्र

समाप्तं कं प्रजापति प्रयागो मा कुक्कोमन

कीर्ति वासुदेव उक्तेः सः सः सः सः

प्रथमं स लक्षणं सः प्रजापति प्रजापति

को को ही सः पर प्रथम ही जाति

को प्रजापति प्रजापति प्रजापति प्रजापति

नमस्तः सः सः सः सः सः सः सः सः

शाही प्रजापति प्रजापति प्रजापति प्रजापति

